

**NSS ACTIVITY CALENDAR 2018-19 CONTAINING ENVIRONMENTAL ACTIVITIES (GREEN RAJASTHAN WEEK CELEBRATION)**

राजस्थान सरकार

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान,  
जयपुर



शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए एन.एस.एस.  
गतिविधियों का कलैण्डर

## आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए एन.एस.एस. गतिविधियों का कलैण्डर

महाविद्यालयों में युवा कौशल विकास प्रकोष्ठ हेतु निर्धारित पृथक सूचना पट्ट पर एन.एस.एस. के इस वार्षिक कलैण्डर की प्रति चस्पा करें एवं समय-समय पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की सूचना पर्याप्त समय पूर्व एवं सम्पन्न कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी भी चस्पा की जावे ताकि सभी विद्यार्थी प्रेरित एवं लाभान्वित हो सकें।

### राष्ट्रीय सेवा योजना

"मैं नहीं आप" (Not me but you) ध्येय वाक्य के आधार पर राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्य 1969 से अनवरत जारी है। इसका प्राथमिक उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थी का व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य है कि इसके अन्तर्गत कार्य करने वाले स्वयंसेवक . . . .

1. अपने समाज और उसके परिपेक्ष्य में स्वयं को समझें।
2. समाज की आवश्यकता और कठिनाईयों को निकट से देखें, समझें और उनके समाधान का अंग बने।
3. स्वयंसेवकों में समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का बोध हो।
4. अपनी शिक्षा एवं ज्ञान का उपयोग व्यक्ति और समाज की समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में करें।
5. स्वयंसेवकों में सामाजिक समरसता, समभाव एवं राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों का अभ्यास बने।
6. समूह में कार्य करने, दायित्वों में साझेदारी एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हो।
7. स्वयंसेवकों में लोकतांत्रिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना हो।
8. आपातकालीन स्थिति में धैर्य, सूझबूझ एवं सहयोग करने का अभ्यास विकसित हो।

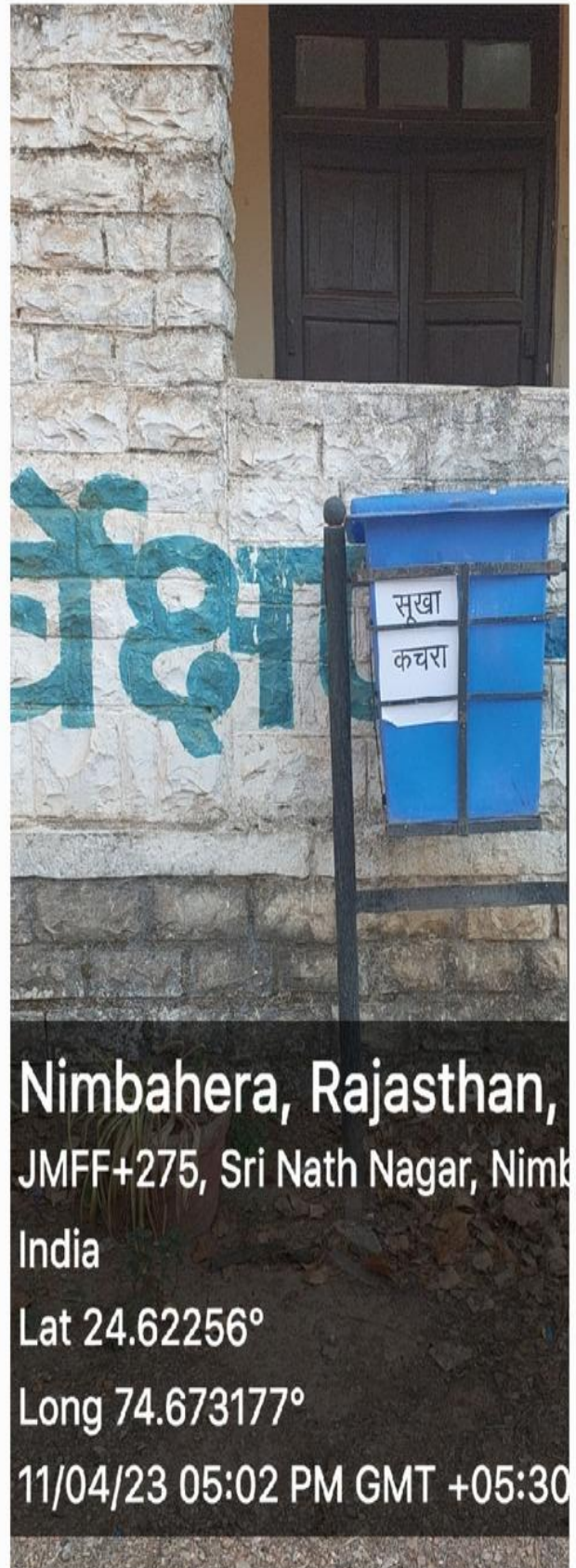
उक्त बिन्दु कुछ संकेत मात्र हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्य वृहद परिपेक्ष्य में ऐसे अनेक विषयों को अंगीकार करता है जो व्यक्तित्व निर्माण एवं जनजागरण हेतु आवश्यक प्रतीत होते हैं। अतः समस्त प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी इस प्रस्तावना को हृदयंगम कर सत्र 2018-19 हेतु निर्धारित कलैण्डर का आद्योपान्त अध्ययन कर प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित करें।

## जुलाई- 10 घंटे कार्य

1. छात्रों की सामान्य सभा कर नये छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की जानकारी देकर राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीयन हेतु प्रोत्साहित करना। इसके लिए नोटिस बोर्ड पर सूचना लगायें।
2. स्वयंसेवकों का पंजीयन कार्यक्रम (मेहनती एवं सेवा भावी छात्र-छात्राओं का ही चयन) आयोजित कर 31 जुलाई, 2018 तक चयन प्रक्रिया पूर्ण कर सूचित करें। प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त से पहले नामांकन की पूर्ण सूचना राज्य समन्वयक, आयुक्तालय एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, शिक्षा (ग्रुप-4 अ) विभाग, शासन सचिवालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर को एक्सल शीट के निर्धारित प्रारूप पर सोफ्ट कापी में मेल द्वारा आवश्यक रूप से भेज दें।
3. माह अप्रैल से जून 2018 तक का त्रैमासिक प्रतिवेदन 15 जुलाई 2018 तक प्रेषित कर दें। महाविद्यालय स्तर पर सलाहकार समिति का गठन आवश्यक रूप से करें। प्राचार्य समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। वरिष्ठ संकाय सदस्य/स्थानीय विकास एजेन्सीज के प्रतिनिधियों/पूर्व स्वयंसेवकों/एनजीओ के प्रतिनिधि तथा स्थानीय प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों को समिति में सदस्य के रूप में लिया जाना चाहिए।
4. सलाहकार समिति की प्रथम बैठक इसी माह में कर महाविद्यालयों के लिए एनएसएस कलैण्डर के अनुसार नियमित गतिविधियों, विशेष शिविर तथा अन्य सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के लिए वार्षिक योजना स्थानीय परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार करें। समिति की कार्यवाही का रिकार्ड भी तैयार करें।
5. हरित राजस्थान सप्ताह (मानसून के समय) 1 जुलाई से 7 जुलाई तक आयोजित कर परिसर एवं गोद लिये हुये क्षेत्रों में वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम वरिष्ठ स्वयंसेवकों एवं सामान्य छात्रों को जोड़ते हुए जल संरक्षण एवं प्रबंधन कार्यक्रम हाथ में लेना। इसके लिये जिला कलेक्टर, वन विभाग एवं कृषि विभाग आदि से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं। एक छात्र एक पौधा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण का कार्य किया जाना चाहिए। 30 जुलाई, 2018 तक कुल लगाये गये पौधों की सूचना प्रस्तुत करें। वृक्ष-संवर्द्धन के लिए छात्र/छात्रा की नाम पट्टिका लगायें। वृक्षारोपण एवं वृक्ष संवर्द्धन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले स्वयंसेवक को "पर्यावरण मित्र" नामक प्रशस्ति पत्र प्रदान करना चाहिये। यदि कोई स्वयंसेवक पौधे लगाने के पश्चात् 2-3 वर्ष तक इसकी देखभाल कर उसका संवर्द्धन करता है एवं इसी प्रकार वह अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित कर पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागरण का कार्य करता है तो उसे महाविद्यालय द्वारा वार्षिक समारोह में पर्यावरण मित्र नाम से प्रशस्ति पत्र प्रदान करना चाहिये। एन0एस0एस0 की प्रत्येक इकाई से एक स्वयंसेवक का चयन किया जा सकता है। बरसात में छत का पानी जमीन में जावे, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। लगाये गये पौधों की सुरक्षा एवं विकास सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
6. जल स्वाबलंबन जनजागृति सप्ताह ( 11 जुलाई से 18 जुलाई तक )  
गोद लिये ग्राम/बस्ती के साथ ही अन्य स्थानों पर जल का महत्व, आवश्यकता का आंकलन, संरक्षण के उपाय एवं किफायती उपयोग के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने एवं " मुख्यमंत्री जल स्वाबलंबन अभियान " से जुड़ने एवं उन्हें सहयोगी की भूमिका में लाने का कार्य करना है।
7. गोद लिये गये गांव/बस्ती में जल संग्रहण एवं संवर्द्धन योजनाओं पर कार्य तथा जल स्रोतों की साफ सफाई हेतु जनजागरण एवं सहयोग।  
जल संवर्द्धन विभाग के अतिरिक्त विचार गोष्ठी, नूकड नाटक आदि के माध्यम से जनसंख्या शिक्षण



**CLEAN CAMPUS CAMPAIGN :-** To make our college smart campus, we have addressed the issues of solid waste management - the major solid waste which are generated in campus are papers, leaf-litters, that are used as manure to plantation.





*Plantation process started from rainy season and this process goes throughout the year. From time-to-time various types of plants are planted in college by students, staff members and other stakeholders. NSS volunteers and other stakeholders adopted the plants and caring the plants/trees. The institution has arranged tree guards for the safety of the plants.*





दैनिक भास्कर - 20.2.2022

## शिविर में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

निवाहेड़ा। स्थानीय महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। प्राचार्य डॉ. कमल नाहर के अनुसार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पा नागोरी ने बताया कि प्रथम सत्र में परिसर सौन्दर्यकरण के लिए स्वयंसेवकों के समूह ने श्रमदान का कार्य किया।

द्वितीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम सेठी के निर्देशन में स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक व बौद्धिक गतिविधियां सम्पन्न की गईं। शिविर में महाविद्यालय के अर्जुनगिरी गोस्वामी, आयुश शर्मा, निशा आंजना, रौनक दमामी आदि स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।





*Our college has organized rallies on awareness of environment under Swachh Bharat Abhiyan*

